

पाठ १ हम कुछ करके दिखलाएँगे

STUDY NOTES

MIND MAP



पाठ प्रवेश

हमारे आसपास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिन्हें खाने को नहीं मिलता, पहनने को कपड़ा नहीं है, रहने को घर नहीं है। वे अपने जीवन से निराश हैं। इस कविता के माध्यम से कवि बच्चों में मानवीय गुण तथा निराश लोगों में आशा का दीपक जलाने की प्रेरणा दे रहे हैं। इस मानवीय मूल्यों को अपनाकर ही बच्चे महान बनेंगे, तभी देश का नाम भी ऊँचा होगा।

पाठ का सार

कवि रामनरेश त्रिपाठी जी ने कविता के माध्यम से बच्चों को महान कार्य करने की प्रेरणा दी है। बच्चों की रुचि और इच्छा कुछ अच्छा तथा महान कार्य करने की होनी चाहिए। बच्चों को अमर लोगों की सूची में नाम लिखवाने के लिए अनेक महान कार्य करने होंगे। जो लोग गरीब भिखारी हैं, जिनकी कोई भी सहायता नहीं करता, हम बच्चों को उनसे दोस्ती कर उनके जीवन को सुखी बनाना होगा। जो लोग निराश और हतोत्साहित हो गए हैं, बच्चे उनके जीवन में परिश्रम और उत्साह भरेंगे। उनका जीवन आशा से जगमगा उठेगा। बच्चे उन वीरों की संतान हैं, जो अपनी धुन के पक्के और सच्चे थे। बच्चे महान कार्य करके संसार में अपना नाम फैलाएँगे।

